सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 222 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 18 सितम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

अगर आप चाहते हैं कि कोई चीज अच्छे से हो तो उसे खुद कीजिये।

–नेपोलियन बोनापार्ट

भारत एकबार फिर एशियाई हॉकी... 7 | सियासी विवाद में निकल गए सौ... 3 | बुलडोजर व उसको चलवाने वाले... 2

भारी सुरक्षा और बवाल के बीच जम्मू-कश्मीर में जमकर मतदान

चुनाव को लेकर लोगों में दिखा उत्साह, मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें

- » राहुल, उमर, महबूबा, शाह ने की ज्यादा से ज्यादा वोट देने की अपील
- » दोपहर तक 41 प्रतिशत से अधिक वोटिंग
- » पहले चरण में 24 विधानसभा सीटों के लिए हो रहा चुनाव
- » 219 उम्मीदवार की किस्मत का होगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

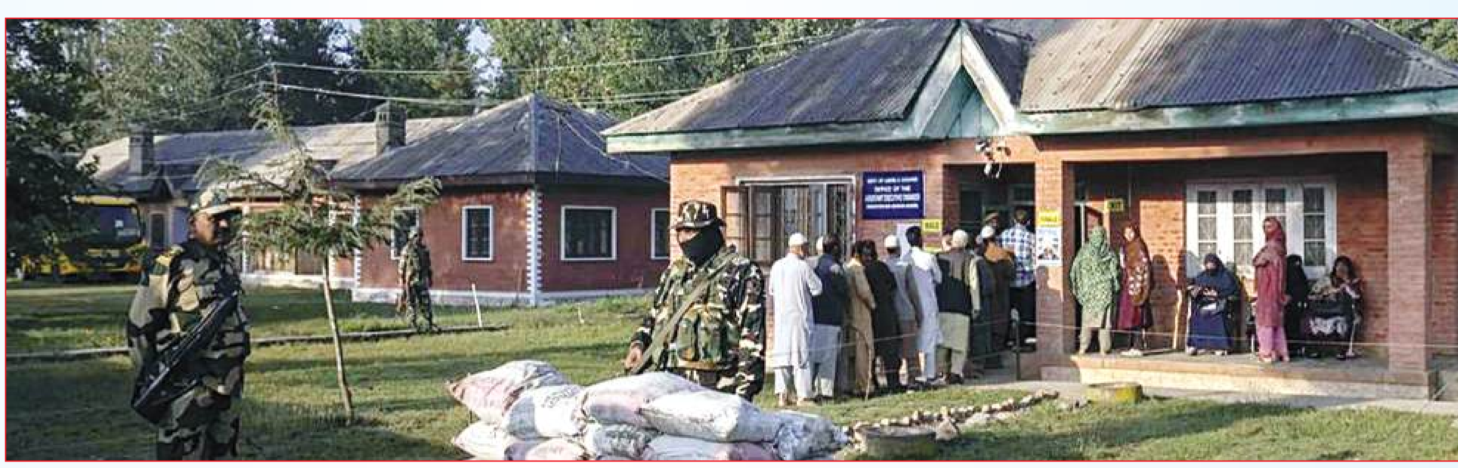

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में दस साल बाद हो रहे विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए वोटिंग जारी है। भारी सुरक्षा व कुछ क्षेत्रों में बवाल के बीच सुबह सात बजे से वोटिंग शुरू हुई, जो शाम छह बजे तक चलेगी। सुबह धीमे-धीमे शुरू हुआ मतदान दोपहर आते-आते तेजी में आ गया। लोकतंत्र के इस महापर्व में सात जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान केंद्रों भारी भीड़ उमड़ रही है। 219 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। सभी सियासी दलों के नेताओं ने लोगों से भारी मतदान करने की अपील की है। 1 बजे तक लगभग 41 प्रतिशत वोट डाले जा चुके थे। कश्मीर संभाग के 16 और जम्मू संभाग के 8 विधानसभा क्षेत्रों में 219 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला 23.27 लाख मतदाता करेंगे। प्रदेश में 3276 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। नवीनतम मतदाता सूची के तहत 23,27,580 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं, जिनमें 11,76,462 लाख पुरुष, 11,51,058 लाख महिला और 60 थर्ड जेंडर शामिल हैं।

कांग्रेस ही अन्याय काल से बाहर लाएगी : राहुल

जम्मू-कश्मीर में जारी पहले चरण के मतदान के बीच राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन को वोट करने की अपील की है. राहुल गांधी ने कहा कि आप इंडिया को वोट करें, हम देश को अन्याय काल से बाहर लाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के मेरे भाइयों और बहनों, आज प्रदेश में पहले चरण के मतदान हो रहे हैं। देश के इतिहास में पहली बार किसी राज्य का दर्जा छीन कर उसे केंद्र शासित बनाया गया है। ये आप सभी के संवैधानिक अधिकारों का हनन है, जम्मू-कश्मीर का अपमान है।

अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करें : एलजी

जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया। सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव हैं। जिनके विधानसभा क्षेत्र में आज पहले चरण के तहत मतदान हो रहा है मैं वहां के सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे बड़ी संख्या में मतदान करें और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करें। मैं खासतौर पर युवाओं, महिलाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह करता हूं।

लालू-तेजस्वी को समन, पहली बार तेज प्रताप भी तलब

- » कोर्ट ने कहा- संलिप्तता से इनकार नहीं कर सकते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके दोनों बेटों तेज प्रताप और तेजस्वी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। तीनों को कोर्ट ने नौकरी के बदले जमीन से जुड़े घोटाले मामले में तलब किया है। घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अन्य आरोपियों को भी तलब किया गया है। कोर्ट ने सभी को सात अक्तूबर को पेश होने के लिए कहा है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छह अगस्त को 11 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था, जिनमें से चार की पहले ही मौत हो चुकी है। दरअसल, दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लालू, तेजस्वी और अन्य आरोपियों को समन जारी किया है। कोर्ट ने अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी समन भेजा है। कोर्ट ने कहा कि तेज प्रताप यादव की संलिप्तता से इनकार नहीं किया जा सकता है। वह एके इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक भी थे। उन्हें भी जमन जारी किया गया है।

हेट स्पीच मामले में अखिलेश और ओवैसी को कोर्ट से राहत

- » ज्ञानवापी प्रकरण में दोनों के खिलाफ याचिका निरस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। ज्ञानवापी प्रकरण में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, एआइएमआइएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर दाखिल प्रार्थना पत्र पर लंबित पुनरीक्षण याचिका अपर जिला जज (नवम) विनोद कुमार की अदालत ने निरस्त कर दिया।

पुनरीक्षण याचिकाकर्ता हरिशंकर पांडेय ने अखिलेश और ओवैसी के बयान को हेट स्पीच की श्रेणी में मानते हुए एसीजेएम पंचम (एमपी-एमएलए) उज्ज्वल उपाध्याय की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। आरोप लगाया था कि इन नेताओं ने अमर्यादित एवं गैर कानूनी बयान देकर हिंदू समाज के प्रति घृणा फैलाने का आपराधिक कृत्य किया है। अदालत ने 14 फरवरी 2023 को प्रार्थना पत्र सुनवाई योग्य (पोषणीय) न मानते हुए निरस्त कर दिया था। इस आदेश के खिलाफ हरिशंकर पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी। हरिशंकर पांडेय ने मामले में अखिलेश, ओवैसी के साथ मुफ्ती-ए-बनारस मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी, अंजुमन इंतेजामिया के अध्यक्ष मौलाना अब्दुल वाकी, संयुक्त सचिव एसएम यासीन सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग की थी। सुनवाई के दौरान ओवैसी के वकील ने बयान को हेट स्पीच मानने से इन्कार किया था।

बुलडोजर की विध्वंसक राजनीति पर लगी लगाम, अखिलेश बोले-

बुलडोजर व उसको चलवाने वाले अब पार्किंग में जाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि बुलडोजर पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद बीजेपी सरकार पर करारा हमला बोना है। उन्होंने कहा कि बुलडोजर की कार्रवाई असांविधानिक है। फैसले के लिए सुप्रीम कोर्ट का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि अब उम्मीद है कि बुलडोजर कार्रवाई हमेशा के लिए बंद हो जाएगी। उन्होंने कहा कि न्याय के सर्वोच्च आदेश ने बुलडोजर ही नहीं, बल्कि इसका दुरुपयोग करने वालों की विध्वंसक राजनीति को भी किनारे लगा दिया है।

उन्होंने तंज किया कि अब बुलडोजर के पहिए खुल गए हैं और स्टीयरिंग हत्थे से उखड़ गया है। ये उनके लिए पहचान का संकट है जिन्होंने बुलडोजर को अपना प्रतीक बना लिया था। अब न बुलडोजर चल पाएगा, न उसको चलवाने वाले। दोनों की पार्किंग का समय आ गया है। सुप्रीम फैसले से बुलडोजरी सोच का ही ध्वस्तीकरण हो गया है। अब क्या वे बुलडोजर का भी नाम बदल कर उसका दुरुपयोग करेंगे? ये जनता का सवाल ही नहीं, एक बड़ी आशंका भी है।

सरकार पर भी होगी कार्रवाई

उन्होंने कहा कि प्रदेश में हुई कई बुलडोजर कार्रवाई पर जब कभी न्यायालय विचार करेगा तो सरकार पर ही कार्रवाई होगी। राज्य सरकार ने लोगों को डराने के लिए बुलडोजर चलवाया है। विपक्ष और जनता की आवाज को दबाने के लिए दुरुपयोग किया गया। यूपी सरकार और भाजपा के लोग बुलडोजर को इतना महिमा मंडित कर रहे थे कि जैसे बुलडोजर ही न्याय है।

एसटीएफ में एक ही तरह के अधिकारी तैनात

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि एसटीएफ में अगर ऊपर से नीचे देखेंगे तो एक ही तरह के अधिकारियों की पोस्टिंग है। इनकी तैनाती सरकार को खुश रखने के लिए की गई है।

हर बूथ तक पीडीए के सवाल पहुंचाएगी सपा

सपा ने हर बूथ तक पीडीए के सवालों को पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। इसके तहत छुट्टा जानवरों, किसानों की दुश्वारियों और अग्निवीर के मुद्दे पर सपा के नजरिये से जनता को अवगत कराया जाएगा। समाजवादी बुलेटिन में इस रणनीति का खुलासा किया गया है। समाजवादी बुलेटिन में अखिलेश यादव ने कहा है कि सत्ताधारी दल के लोग जहां भी जाएंगे, इस तरह के सवाल पाएंगे। इन्हें पीडीए के सवाल कहा गया है। इसमें पूछा जाएगा कि छुट्टा जानवरों से निजात दिलवाने का झूठा वादा क्यों किया। काले कानून लाकर किसानों की भूमि क्यों हड़पनी चाही। किसानों को लाभकारी एमएसपी क्यों नहीं दिया। इसके तहत संविधान की समीक्षा और उसे बदलने की बात, 69 हजार शिक्षक भर्ती, लेटरल भर्ती, पेपर लीक और अग्निवीर सैन्य भर्ती पर सपा के नजरिये को शामिल किया गया है।

सपा अध्यक्ष ने आतिशी को दी सीएम पद की बधाई

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली को नया मुख्यमंत्री दिया है। उम्मीद है कि वह दिल्ली के लोगों की भावनाओं पर खरी उतरेंगी। बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद आप विधायकों ने आतिशी को नेता चुन लिया।

सीएम नीतीश को बिहार की दुर्दशा न दिखाई और न सुनाई दे रही: तेजस्वी

» बोले- पीएम मोदी को आम आदमी से कुछ लेना-देना नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरपुर। नेता विरोधी दल तेजस्वी यादव ने कार्यकर्ता जन संवाद कार्यक्रम के दौरान भाजपा, जदयू व पीके पर जमकर हमला बोला। उन्होंने सीएम नीतीश, पीएम मोदी और प्रशांत किशोर को लेकर अपनी प्रतिक्रि या दी। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में अपराध बेलगाम हो चुका है। अपराधी सरकार के चंगुल से बाहर हो चुके हैं। बिहार सरकार का इकबाल खत्म हो चुका है। सीएम नीतीश कुमार से बिहार संभल नहीं रहा है।

सीएम नीतीश को बिहार की दुर्दशा न दिखाई और न सुनाई दे रही है। उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश अब तो अपने खुफिया विभाग के लोगों द्वारा हमारी निगरानी करवा रहे हैं। बीते दिनों दरभंगा में उनके लोग हमारे कार्यक्रम में लगाए गए। तेजस्वी यादव ने बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के सत्ता में रहने पर विदेश दौरा करने और सत्ता से बाहर आते ही जनता और कार्यकर्ता सम्मलेन करने वाले बयान पर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम तो हमेशा से ही जनता के बीच में रहने वाले हैं और घूमते हुए रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब हमारा पासपोर्ट ही इन लोगों द्वारा जब्त कर लिया गया है तो ऐसे में क्या हम बाहर जा सकते हैं? जो लोग आरोप लगाते हुए कहते हैं, वे लोग पहले खुद में देखें।

पहले महात्मा गांधी को मानना बंद करें, फिर शराबबंदी पर बोलें पीके

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पर तेजस्वी यादव ने बड़ा हमला किया। उन्होंने कहा कि जो लोग एक घंटे के अंदर बिहार में शराबबंदी को खत्म करने की बात कहते हैं, वे पहले गांधी जी को मानना बंद कर दें। प्रशांत किशोर को पहले अपने पास महात्मा गांधी की तस्वीर को लगाना बंद कर देना चाहिए।

बिहार विरोधी है पीएम मोदी की मानसिकता

तेजस्वी ने बिहार में हो रहे सर्वेक्षण को लेकर सवाल उठाया कि इस सर्वे को सरल और सुगम बनाया जाना चाहिए। हर जगह पर लूट और भ्रष्टाचार बढ़ा हुआ है। इसको लेकर आम लोगों की परेशानी से छुटकारा दिलाने में सीएम नीतीश फेल हो गए हैं। वहीं, इस दौरान तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि पीएम मोदी बिहार के विकास और स्पेशल स्टेटस देने की बात करते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि पीएम मोदी की मानसिकता बिहार के विरोध वाली है। बिहार के लिए अच्छा नहीं चाहते हैं पीएम मोदी। राजद नेता ने कहा कि पीएम मोदी देश के विकास की जगह, बढ़ती हुई महंगाई की जगह पर पाकिस्तान, बांग्लादेश और कश्मीर की बात करते हैं। यहां पर आम आदमी की मुश्किल और परेशानी से कोई भी इनको लेना-देना नहीं है।

बुलडोजरों का प्रयोग कानूनी शासन का प्रतीक नहीं: मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोलीं- केंद्र को आगे आकर इस पर दिशा-निर्देश बनाना चाहिए

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने केंद्र से आग्रह किया कि वह आगे आए और ध्वस्तीकरण के लिए बुलडोजर के इस्तेमाल के लिए एक समान दिशा-निर्देश बनाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे दिशा-निर्देशों के अभाव के कारण ही सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह की अवैधताओं के खिलाफ आदेश दिया है।

मायावती ने इस बात पर जोर दिया कि बुलडोजरों के बढ़ते प्रयोग को कानून के शासन के प्रतीक के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कटिया, बुलडोजर विध्वंस कानून का राज का प्रतीक नहीं होने के बावजूद इसके प्रयोग की बढ़ती प्रवृति चिन्तनीय। वैसे बुलडोजर व अन्य किसी मामले में जब आम जनता उससे सहमत नहीं होती है तो फिर केन्द्र को आगे आकर उस पर पूरे देश के लिए एक-समान गाइडलाइन्स बनाना चाहिए, जो नहीं किए जा रहे हैं। वरना बुलडोजर एक्शन के मामले में माननीय सुप्रीम कोर्ट को इसमें दखल देकर केन्द्र सरकार की जिम्मेवारी को खुद नहीं निभाना पड़ता, जो यह जरूरी था।

पीएम को गुमराह कर रही है भाजपा: सुक्खू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» बोले- केंद्र नहीं दे रहा 23,000 करोड़ रुपये

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वर्तमान में केंद्र सरकार के पास राज्य की 23,000 करोड़ रुपये की धनराशि लंबित है, जिसे नहीं दिया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के भाजपा नेतृत्व ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुमराह किया है। प्रधानमंत्री के लिए सभी राज्य समान हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान कोषागार कभी भी ओवरड्राफ्ट नहीं हुआ है। इससे संबंधित तथ्य आरबीआई और केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से सत्यापित किए जा सकते हैं।

सुक्खू ने कहा कि 23 हजार करोड़ रुपये में 9,300 करोड़ रुपये पिछले साल आई

प्राकृतिक आपदा के बाद आवश्यकता आकलन से संबंधित हैं, जो अभी तक जारी नहीं हुए हैं। केंद्र सरकार ने उत्तराखंड को ही 8,000 करोड़ रुपये जारी किए हैं। प्रदेश को कुछ नहीं दिया। नई पेंशन योजना के 9,300 करोड़ रुपये केंद्र सरकार के पास लंबित हैं। भाखड़ा बांध प्रबंधन बोर्ड के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के हिमाचल प्रदेश के हक में दिए फैसले के बावजूद 4,500 करोड़ भी राज्य को अभी तक नहीं मिले हैं।

हिमाचल की तरह हरियाणा को भी ठगने की कोशिश में कांग्रेस: जयराम ठाकुर

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार के साथ कांग्रेस पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब हरियाणा और जम्मू कश्मीर के आम विधानसभा चुनाव में लोगों को ठगने के लिए झूठी गारंटियों का सहारा ले रही है। जिस तरह से कांग्रेस के छोटे बड़े सभी नेताओं ने हिमाचल के लोगों से झूठ बोलकर सत्ता हासिल की उसी तरीके के हथकंडे अब देश के बाकी राज्यों में फिर से अपनाने की कोशिश हो रही है। अब कांग्रेस का झूठ बेनकाब हो चुका है कांग्रेस की गारंटी पर अब कोई भी यकीन नहीं करने वाला है। पूरे देश ने देख लिया है की कांग्रेस किस तरह बिना किसी रोडमैप के झूठी घोषणाएं करके लोगों का वोट लेती हैं। हिमाचल प्रदेश में हाल के दिनों में जो कुछ हुआ वह समूचे देशवासियों के लिए भी एक सबक है कि कांग्रेस की झूठी गारंटियों पर यकीन न करें।

हम ईमानदारी से सरकार चला रहे: रामेश्वर उरांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» प्रधानमंत्री मोदी के आरोपों पर झारखंड सरकार का प्रहार

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के जमशेदपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए झारखंड की झामुमो-कांग्रेस-राजद गठबंधन सरकार पर तीखा हमला बोला था। अब प्रधानमंत्री के आरोपों पर झारखंड सरकार ने प्रतिक्रिया दी है।

झारखंड के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा है कि हम पूरी ईमानदारी से सरकार चला रहे हैं। रामेश्वर उरांव ने कहा कि उदाहरण के साथ आरोप लगाए जाने चाहिए। हम कोई पैसा नहीं लूट रहे हैं। हम सरकार पूरी ईमानदारी से चला रहे हैं और लोगों के कल्याण पर पैसा खर्च कर रहे हैं। झारखंड विधानसभा चुनाव में झामुमो और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि दोनों पार्टियों के बीच सीटों को घटाने या बढ़ाने से फायदा नहीं होगा। पिछली बार का झामुमो-कांग्रेस का गठबंधन सफल रहा और इससे दोनों पार्टियों को फायदा होगा। अभी तक राजद को कितनी सीटें दी जानी हैं, इसे लेकर भी फैसला नहीं हुआ है।

सियासी विवाद में निकल गए सौ दिन!

अभद्र टिप्पणियों पर भाजपा व कांग्रेस में बवाल

- » विपक्ष बोला- जुमलो से कब मिलेगी निजात
- » चुनावी राज्यों पर दोनों गठबंधनों की नजर
- » पश्चिम बंगाल में नहीं लगेगा राष्ट्रपति शासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए सरकार के सौ दिन पूरे हो गए पर बीजेपी के विवादों में कोई कमी नहीं है। जहां उसके नेता अपने बिगड़े बोलों से विपक्ष को उकसा रहे हैं। हालांकि विपक्ष के कुछ दल भी पीएम मोदी पर अपनी टिप्पणी करने से नहीं चूक रहे हैं। उधर भाजपा व उसके सहयोगी नेता प्रतिपक्ष पर अभद्र बोल से पार्टी को असहज कर रहे हैं। इन सबके बीच दिल्ली के सीएम केजरीवाल के इस्तीफा देने की घोषणा से भाजपा सरकार के वहां अन्य राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने के मंसूबे पर पानी फिर गया। इसी तरह हरियाणा व जम्मूकश्मीर में आगामी होने वाले विस चुनाव में भी विपक्ष के सियासी दावं में बीजेपी पस्त होती नजर आ रही है। चुनावी राज्यों में जो सर्वे आ रहे हैं उसमें विपक्षी गठबंधन की सरकारे बनने के संकेत मिल रहे हैं। खैर ऊंट किस करवट बैठेगा ये तो चुनावी परिणाम ही बताएंगे।

संदेशखलि और कोलकाता डॉक्टर महिला मर्डर केस के बाद पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग उठ रही है। इन दो घटनाओं के बाद सीएम ममता भी बैकफुट पर हैं जिससे विपक्ष मुख्यत: बीजेपी को भी अटैक का खूब मौका मिला। अब केंद्र सरकार की ओर से इसप जवाब आ गया है। केंद्र से जुड़े सरकारी सूत्रों ने बताया कि पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने के बारे में कोई विचार नहीं है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार का पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने के बारे में कोई विचार नहीं है। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में पालक्काड़ में हुई बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने भी कहा था कि वह राज्य में राष्ट्रपति शासन के पक्ष में नहीं है क्योंकि इस तरह की कार्रवाई एक निर्वाचित सरकार को अस्थिर करती है। आरजी कर अस्पताल में भयानक बलात्कार और हत्या के मामले के बाद बंगाल की राजधानी कोलकाता पिछले एक महीने से प्रदर्शन से हिल गया है, जिसमें डॉक्टर और आम जनता आक्रोशित है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले सप्ताह इस्तीफा देने की भी पेशकश की थी,लेकिन फिर भी कोई फायदा होता दिखा नहीं।

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू फिसली जुबान

बता दें कि दो दिन पहले केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भी राहुल गांधी पर हमला बोला था। उन्होंने बिहार के भागलपुर में राहुल गांधी को बम बनाने वाला और नंबर वन आतंकवादी बताया था। इसके जवाब में कांग्रेस ने कहा कि राहुल गांधी के लिए बीजेपी नेताओं के दिल में नफरत है, इसलिए वह गंदी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

नेताओं के तीखे बोलों पर बवाल

लोकसभा के नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा के मंत्री व एनडीए के एक और नेता ने गैर जिम्मेदाराना बयान दिया है। शिवसेना शिंदे के विधायक संजय गायकवाड ने राहुल गांधी की जीभ काटने वालों को इनाम देने की घोषणा की है। वहीं शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री पर विवादित बोल बोला उन्होंने कहा कि पीएम का दिमाग सड़ गया है उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। इन दोनों नेताओं के इस बयान से महाराष्ट्र की राजनीतिक बवाल मच गया है। एक सार्वजनिक सभा में आरक्षण के मुद्दे पर बोलते हुए गायकवाड ने राहुल गांधी का जीभ काटने वाले को 11 लाख इनाम देने का ऐलान कर दिया। शिवसेना विधायक ने कहा कि राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव में संविधान खतरे में है का ऐसा फेक नरेटिव फैलाकर वोट हासिल किया था। अब वह देश से आरक्षण खत्म करने की वकालत कर रहे हैं। वह पिछड़े, आदिवासियों को दिए जा रहे आरक्षण को 100 पर्सेंट खत्म करना चाहते हैं। सभा में संजय गायकवाड ने कहा कि मैं कहता हूं जो राहुल गांधी की जीभ काटेगा मैं उसे 11 लाख दूंगा। शिवसेना नेता के इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। शिवसेना विधायक ने अपने भाषण में कहा कि वह राहुल गांधी के लिए यह बयान लोकप्रियता हासिल करने के लिए नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछड़े और ओबीसी समाज की दुर्दशा को देखते हुए उन्होंने यह बयान दिया है। उन्होंने दावा किया राहुल गांधी की ओर से आरक्षण खत्म करने की बात से उनके मन में गुस्सा है और इस कारण यह बात जुबान पर आ गई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कांग्रेस का असली चेहरा उजागर किया है। कांग्रेस ने इस बयान की आलोचना की है और इसे राहुल गांधी के लिए खतरनाक बताया है।

मणिपुर व कश्मीर में हालात धीरे-धीरे नियंत्रण में

मणिपुर के बारे में सूत्रों ने कहा कि राज्य में तैनात असम राइफल्स को सीआरपीएफ से बदलने के फैसले से नई समस्या उत्पन्न हुई है क्योंकि इससे कुकी समुदाय नाराज हो गया है। कई दिनों से चल रही बातचीत के बाद असम राइफल्स की एक बटालियन मणिपुर से बाहर निकल गई है और अगले कुछ दिनों में एक और बटालियन बाहर निकलेगी।

एक सूत्र ने कहा कि मणिपुर की स्थिति नियंत्रण में है। जम्मू में आतंकवादी हमलों के बारे में एक सूत्र ने कहा कि इस क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति ने कुछ शुरुआती चुनौतियां पेश की हैं, लेकिन अब इस क्षेत्र में सुरक्षा प्रतिष्ठानों को पूरा कर लिया गया है और लगभग 30,000 सुभेच्छा रखने वाले ग्रामीणों को भी हथियारों में प्रशिक्षण दिया गया है। सूत्र ने कहा कि पिछले महीने में जम्मू में स्थिति नियंत्रण में आ गई थी। आतंकवादियों ने पहले कश्मीर घाटी पर ध्यान केंद्रित किया था और अब अपनी गतिविधियों को जम्मू में स्थानांतरित कर दिया है, लेकिन सरकार तैयार थी।

हरियाणा में कांग्रेस व भाजपा को सोशल इंजीनियरिंग पर भरोसा

हरियाणा में हैट-ट्रिक बनाने की जद्दोजहद में जुटी भाजपा और 10 साल बाद सत्ता में वापसी के लिए संघर्षरत कांग्रेस की सोशल इंजीनियरिंग से विधानसभा चुनाव रोमांचक हो गया है। 90 में से 36 विधानसभा क्षेत्रों पर भाजपा और कांग्रेस ने एक ही जाति के उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें से 14 विधानसभा क्षेत्रों में जाट बनाम जाट तो 15 सीटों पर ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) बनाम ओबीसी मुकाबला होगा। जातिगत समीकरणों के अनुसार प्रदेश में कोई भी चुनावी किला फतह करने में ओबीसी (33 प्रतिशत आबादी), जाट (25 प्रतिशत) और दलित (21 प्रतिशत) की भूमिका सबसे अधिक होती है। इसके मद्देनजर कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 28 जाट उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि भाजपा ने 16 सीटों पर जाट प्रत्याशियों पर भरोसा जताया है। भाजपा ने सबसे ज्यादा 22 उम्मीदवार ओबीसी से बनाए हैं, जबकि कांग्रेस ने इस वर्ग से 20 प्रत्याशी चुनावी रण में उतारे हैं। 17 विधानसभा सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। इनको छोड़कर किसी दल ने

सामान्य सीट पर दलित समुदाय को टिकट नहीं दिया है। बल्लभगढ़ से भाजपा के मूलचंद शर्मा और कांग्रेस की पराग शर्मा तो गन्नौर में भाजपा के देवेंद्र कौशिक और कांग्रेस के कुलदीप शर्मा में टक्कर है। चार सीटों पर पंजाबी आमने-सामने हैं, जिनमें थानेसर से भाजपा के सुभाष सुधा और कांग्रेस के अशोक अरोड़ा, हांसी में भाजपा के विनोद भयाना व कांग्रेस के राहुल मक्कड़, पानीपत शहरी में भाजपा के प्रमोद विज और कांग्रेस के वरिंदर शाह और रोहतक में पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर तथा कांग्रेस के भारत भूषण बत्रा भिड़ रहे हैं। फिरोजपुर झिरका में भाजपा ने नसीम अहमद और कांग्रेस ने मामन खान तो पुन्हाना में भाजपा ने एेजाज खान और कांग्रेस ने मोहम्मद इलियास को आमने-सामने किया है। जगाधरी में भाजपा के कंवरपाल गुर्जर के मुकाबले कांग्रेस ने अकरम खान, नूंह में भाजपा के संजय सिंह के मुकाबले कांग्रेस ने आफताब अहमद और हथीन में भाजपा के मनोज रावत के मुकाबले में कांग्रेस ने मुहम्मद इजरायल को मैदान में उतारा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

दिल्ली में जल्द चुनाव का होगा सियासी असर !

> केंद्र में बैठी बीजेपी सरकार अभी दिल्ली में चुनाव नहीं करवाएगी वो जानती है कि उसके नुकसान उठाना पड़ सकता है, ऐसे में दोनों पार्टियों के पास अभी तैयारी करने को भरपूर मौका है। अंतिम रूप से तो जनता की अदालत ही तय करेगी कौन सही है और कौन गलत। जेल से बाहर आने के बाद ही दिल्ली की सियासत गर्माने लगी। आप सुप्रीमो ने इसके बाद पार्टी के नेताओं से मुलाकात की।

दिल्ली में उठे सियासी उठापटक के बीच वहां पर जल्द चुनाव होने की बात भी सियासी गलियारें में तेजी से फैल रही है। वहीं आप ने भी केंद्र सरकार से जल्द चुनाव कराने की मांग भी की है। ये तमाम घटनाक्रम अरविंद केजरीवाल के जेल से बाहर आने के बाद हो रहे हैं। इस मसले संविधान के जानकार कहते हैं, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा-15 के अनुसार विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने के 6 महीने के चुनाव आयोग विधानसभा के जल्द चुनाव कराने का निर्णय ले सकता है। महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव अक्तूबर 2019 और दिल्ली में विधानसभा के चुनाव फरवरी 2020 में हुए थे। इसलिए संवैधानिक तौर पर दोनों राज्यों में विधानसभा के चुनाव एक साथ हो सकते हैं। आप अगर जल्द चुनाव करवा लेता हे जो उसे राजनीतिक रूप से लाभ मिल सकता है। चूकि पिछले दो महीने के अंदर उसके तीन बड़े नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया व संजय क्ष्सह को भाजपा की मोदी सरकार ने जेल भिजवा दिया वे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सशर्त जमानत पर बाहर आ गए है। उन तीनों पर कोई भी आरोप सिद्ध करने में केंद्रीय एर्जेसियां नाकाम रही हैं।

ऐसे में आप अगर इस मुद्दे को लेकर जनता के बीच अभी जाती है तो उसे फिर से सत्ता में आने से कोई रोक नहीं पाएगा। केंद्र में बैठी बीजेपी सरकार अभी दिल्ली में चुनाव नहीं करवाएगी वो जानती है कि उसके नुकसान उठाना पड़ सकता है, ऐसे में दोनों पार्टियों के पास अभी तैयारी करने को भरपूर मौका है। अंतिम रूप से तो जनता की अदालत ही तय करेगी कौन सही है और कौन गलत। जेल से बाहर आने के बाद ही दिल्ली की सियासत गर्माने लगी। आप सुप्रीमो ने इसके बाद पार्टी के नेताओं से मुलाकात की। वहीं गत रविवार को केजरीवाल ने दिल्ली स्थित आप कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित किया। इसी दौरान केजरीवाल ने सीएम पद छोड़ने एलान कर सभी को चौंका दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह दो दिन बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। आप नेता ने कहा कि जब तक लोग उन्हें ईमानदारी का प्रमाण-पत्र नहीं दे देते, तब तक वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। केजरीवाल ने कहा कि विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें नए सीएम के नाम पर सहमति बनाई जाएगी। दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल अगले साल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है और फरवरी की शुरुआत में चुनाव होने की उम्मीद है। विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनाव कराने के लिए चुनी हुई राज्य सरकार के मंत्रिमंडल को विधानसभा भंग करने की सिफारिश करनी होती है। उसके अनुसार उपराज्यपाल विधानसभा को भंग करने और नये विधानसभा के गठन की प्रक्रिया की सिफारिश कर सकते हैं। उन सिफारिशों के अनुसार चुनाव आयोग विधानसभा चुनावों को जल्द कराने पर अपनी मोहर लगा सकता है। इसके लिए चुनाव आयोग को कई पहलुओं पर विचार करना होता है। नये वोटरों को शामिल करने के साथ वोटर लिस्ट का अपडेट, ईवीएम की उपलब्धता, त्योहारों के अनुसार प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस और पैरामिलेट्री फोर्स की उपलब्धता और जल्द चुनाव कराने से जुड़े आर्थिक पहलुओं के आंकलन के अनुसार चुनाव आयोग जल्द चुनाव कराने पर सहमति देता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुनहरे सपनों के लिए विदेश गमन का मोह

सुरेश सेठ

भारत की युवा आबादी पूरी कार्यशील आबादी का आधा हिस्सा है। 'कार्यशील' इसलिए क्योंकि देश में एक बड़ी संख्या ऐसी है जो सकल घरेलू उत्पाद में योगदान नहीं देती। देश की आधी आबादी महिलाएं हैं और आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि हम उनकी क्षमताओं का आधे से भी कम उपयोग कर रहे हैं। यदि हम इस शक्ति का प्रभावी ढंग से उपयोग करें, तो संभव है कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने में बहुत कम समय ले। 35 साल तक की उम्र की आबादी देश की वह श्रेणी है जिसमें काम करने की पूरी सामर्थ्य होती है। लेकिन इस सामर्थ्य का उचित उपयोग देश में नहीं हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी हुई बेरोजगारी एक ज्ञात समस्या है। जब नौजवान खेतों में काम करते हैं, तो इससे खेतों की कुल आय में कोई वृद्धि नहीं होती। इसका मतलब यह है कि अगर ये लोग खेतों को छोड़कर किसी अन्य व्यवसाय में चले जाएं, तो कृषि के स्तर पर कोई महत्वपूर्ण गिरावट नहीं आएगी। लेकिन सवाल यह है कि वे जाएं कहां?

देश में कोविड महामारी की मार से प्रभावित महानगरों की कामगार आबादी, जो गांवों में आश्रय खोजने आई थी, अब भी उसी तलाश में है। दावों के बावजूद, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में न तो लघु और कुटीर उद्योगों का विकास हुआ है और न ही फसलों के विनिर्माण की छोटी-छोटी फिनिश्ड पार्टिकल बनाने वाली फैक्ट्रियां कस्बों में स्थापित हो पाई हैं। डिजिटल भारत के युग में निवेशकों की अपेक्षाएं इतनी बदल गई हैं कि विश्वविद्यालयों से पारंपरिक शिक्षा प्राप्त करने वाले युवा खुद को बेकार महसूस करते हैं और उन्हें रोजगार नहीं मिल रहा। जैसे-जैसे रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत में अपनी जड़ें जमा रही हैं, इस आबादी के लिए उचित रोजगार पाने में और भी कठिनाई होगी। अब नौजवानों का सपना विदेशी मुद्रा की चमकती धरती की ओर उड़ान भरना है। खाड़ी देशों के दीनार भी उन्हें लुभाते हैं। आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए वे इन देशों की ओर पलायन का सपना देखते हैं।

इस बीच, कई एजेंसियां भारत में उभर आई हैं, जो वैध या अवैध तरीके से विदेश भेजने का दावा करती हैं। पिछले साल से, कनाडा, जो विदेशों में सबसे बड़ा आश्रय देने वाला देश माना जाता है, ने भारत से पलायन करने वाले युवाओं के लिए अपनी नीतियों में

बदलाव किया है। अब कनाडा में भारत से आने वाले छात्रों के लिए वीजा की संख्या 3.6 लाख तक सीमित कर दी गई है, और उनके आव्रजन की लागत भी बढ़कर 22-23 लाख रुपये से 37 लाख रुपये तक पहुंच गई है। इसके साथ ही, डिग्री पूरी करने के बाद छात्रों को अब वहां वर्क परमिट के लिए आवेदन करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। चाहे यह सूचना पुष्ट हो या अपुष्ट, वास्तविकता यही है कि इंग्लैंड, अमेरिका, और कनाडा अभी भी भारतीय युवाओं के पलायन के लिए सबसे आकर्षक स्थल माने जाते हैं। जबकि वैध तरीके से जाने की प्रक्रिया कठिन होती जा रही है, अवैध तरीके से पलायन करने वाले 'डंकी रूट' तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले दिनों दावा किया गया कि दिसंबर, 2023 से अब तक 5,000 से अधिक भारतीय अवैध रूप से कनाडा की सीमा पार करके अमेरिका में प्रवेश कर चुके हैं। अमेरिका की बड़ी सीमा दो प्रमुख स्थानों पर है, एक मैक्सिको के साथ और दूसरी कनाडा के साथ। कनाडा की सीमा लगभग 9,000 किलोमीटर लंबी है, और इतनी लंबी सीमा पर आव्रजन को पूरी तरह से नियंत्रित करना मुश्किल होता है। इसके विपरीत, मैक्सिको की सीमा इसके आधे आकार की है। यही दो सीमाएं हैं जहां अवैध प्रवासन के 'डंकी रूट' प्रचलित हैं। कोशिश यही है कि वहां अवैध तरीके से काम करके धीरे-धीरे वर्कफोर्स में शामिल हो जाएं। अमेरिका में उद्यमियों को ऐसे कार्यबल को बहुत कम दाम पर काम पर रखना लाभदायक होता है, जिससे उनके लिए यह एक आकर्षक विकल्प बन जाता है। शरण मांगने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या में भी वृद्धि देखी जा रही है। 2022 से इंग्लैंड में शरण मांगने वालों की संख्या 136 प्रतिशत बढ़ गई है, और 2023 में 1,319 अन्य नागरिकों ने शरण मांगी, जो सभी कनाडा से ट्रांजिट कर अमेरिका पहुंचे थे। ये सभी अवैध तरीके से विदेशी जमीन पर अपने ठिकाने की तलाश में हैं।

दरअसल, यह कड़वा सच दिखाता है कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि दर के बावजूद, युवाओं को ठिकाना नहीं मिल रहा है। सम्मानजनक रोजगार की कमी ही वह कड़वा सच है जो हमारे युवाओं को रोजगार का विदेशों में ठिकाना खोजने को मजबूर कर रहा है। विश्व के कई देशों ने अपनी आव्रजन नीतियां सख्त कर दी हैं, लेकिन अवैध घुसपैठ का यह नया धंधा, जो विदेशी सरहदों से दूसरे देशों में जा रहा है, भारत की छवि को धूमिल करता है।

जम्मू के प्रति आश्वस्त नहीं रह सकती भाजपा

ज्योति मल्होत्रा

जम्मू से कठुआ तक के राष्ट्रीय राजमार्ग पर भाजपा के चुनावी होर्डिंग्स लगे हुए हैं, जिनपर लिखे एक पंक्ति वाले नारे का मकसद है मतदाता के मानस में 2014 से पहले और बाद वाली स्थिति की तुलना दिखाते हुए अपनी बात सरल तरीके से बैठाना। साल 2014 में इस पूर्व राज्य ने आखिरी बार मतदान किया था और वर्तमान में कुछ ही दिनों बाद केंद्र शासित प्रदेश के रूप में यहां पूरे एक दशक बाद चुनाव होने जा रहे हैं। इन होर्डिंग्स पर मौजूद तस्वीरों में, एक तरफ है गहरा धुंआ, नारे लगाने वालों के लहराते हाथ और जलती कारें तो इसके विपरीत दूसरे हिस्से में हैं चमकदार छवियां, जो उम्मीद और समृद्धि का प्रतीक हैं। भाजपा के विज्ञापन अभियानों की विशिष्टता के अनुरूप, इनमें भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चेहरा पूरे फ्रेम में केंद्रीय है। शब्दों के रूप में लिखा है: मातम-स्वागतम, डर-निडर, अशांति-शांति। और एक नारा है : 'शांति, स्थिरता और विकास, जम्मू को मोदी पर विश्वास'।

लेकिन, यक्ष प्रश्न है कि क्या जम्मू का मतदाता मोदी के साथ-साथ भाजपा के स्थानीय उम्मीदवारों पर भी विश्वास करेगा, जो पीर पंजाल के दक्षिण में फैली इस विशाल और दुरूह भौगोलिकता के 43 निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी ताल ठोक रहे हैं - हालांकि वर्तमान विधानसभा चुनाव पहली बार बदले हुए, पुनर्गठित परिदृश्य में लड़े जा रहे हैं, क्योंकि निर्वाचन क्षेत्रों के हालिया परिसीमन के बाद इस क्षेत्र में छह सीटें और जुड़ गई हैं। इसके अलावा नई विधानसभा में पांच विधायक मनोनीत होंगे -इस प्रकार विधानसभा में पूर्व में 87 की तुलना में कुल 95 विधायक होंगे। ऐसे चुनाव में, जहां हर सीट मायने रखती है, जीत और हार के बीच जम्मू संभाग संतुलन बना सकता है। दुनिया के इस हिस्से में, जहां पाकिस्तान के साथ लगती अंतर्राष्ट्रीय सीमा पत्थर फेंकने जितनी दूरी पर है, सभी राजनीतिक दल लोगों का प्यार जीतने की खातिर चाणक्य के दिए प्राचीन सूत्र अर्थात साम-दाम-दंड-भेद पर अमल करने में निश्चित रूप से जुटे हुए हैं। भाजपा के लिए, जिसने 2014 के चुनाव में कुल 25 सीटें जीती थीं, सभी जम्मू संभाग से- लेकिन कश्मीर घाटी से एक भी नहीं थी- उसके लिए यह दांव स्पष्टत: बहुत बड़ा है।

राह चलते मतदाता से बात करें तो भ्रम की स्थिति है। 'हमें क्या मिला' वाली टीस अगर भाजपा समर्थक जम्मू के दिल में इसी प्रकार बनी रही, जबकि 1 अक्टूबर को मतदान होना है, तो यह रोष किला ढहने का कारक बन सकता है। मतदाता रोज-ब-रोज भयानक यातायात के दु:स्वप्न से गुजर रहा है (भले ही नितिन गडकरी का मंत्रालय नए-नए पुल और फ्लाईओवर क्यों न बना रहा हो), जबकि 'स्मार्ट सिटी' बनाने के सपनों के बावजूद खुले नालों को ढकने और कूड़े के ढेरों को साफ करने के वादे पूरे नहीं हुए। पेंशन मिलने में देरी हो रही है और सरकारी योजना के लाभार्थियों को मानव-रहित ऑनलाइन प्रणाली की प्रक्रियाओं से पार पाने में मुश्किल हो रही है, तिस पर लिंक बीच-बीच में लगातार टूटता रहता है- और फिर आपको अपना काम निकलवाने को उन्हीं पुराने लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है।

इसके अलावा, जब शेष भारत से लोग गर्मियों में सीधे कश्मीर घाटी के ट्यूलिप गार्डन, डल झील की सैर तो सर्दियों में गुलमर्ग-पहलगाम का रुख करते हों, जिससे कि इंस्टाग्राम इत्यादि पर डालने को नवीनतम मसाला भी मिल सके। ऐसे में, जम्मू घूमने वाले कम ही बचते हैं- यहां तक कि पर्यटकों से भरी 25 में से 15 रेलगाड़ियों के यात्री वैष्णो देवी तीर्थ के लिए सीधे कटरा स्टेशन तक जाने वाली ट्रेन पकड़ते हैं। लिहाजा व्यापार ठंडा है। बाहरी लोगों के मन में बैठे डर- वास्तविक और अवास्तविक- दोनों कायम हैं, शायद इसीलिए यहां निवेश करने में इच्छुक कुछ कॉरपोरेट कंपनियां बड़ी रकम लगाने में अभी भी हिचकिचा रही हैं। हालांकि 2015 से 2018 तक चली भाजपा-पीडीपी गठबंधन सरकार ने दो नए एम्स अस्पताल, एक आईआईएम और एक आईआईटी बनाने का वादा किया था। इसमें से कुछ भी नया नहीं है। जम्मू वालों ने जो आज पाया है वह यूपी और बिहार वालों को हमेशा से मिलता आया है- राजनेताओं के खोखले वादे, जो बाद में हवा-हवाई हो जाते हैं। लेकिन निश्चित रूप से जम्मू को अपने लिए गरीब और दूर के चचेरे भाई सरीखा बर्ताव पसंद नहीं है।

एक समस्या जो खासतौर पर काफी गहरी और साफ दिखाई देती है वह यह कि भाजपा नेतृत्व और इसके लोगों के बीच आपसी संपर्क बहुत कम है, बेशक इसे दूर किया जा सकता है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इसके लिए पहले ही काफी देर नहीं हो चुकी? (हालांकि भाजपा के लिए जो एक स्थिति फायदेमंद है, वह यह कि इस इलाके में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन या तो बुरी तरह छितराया हुआ है या फिर है ही नहीं।) आरएसएस विचारक राम माधव कितना कर पाएंगे, हालांकि उन्होंने भाजपा-पीडीपी गठबंधन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी किंतु बाद में मोदी सरकार ने उन्हें किनारे कर दिया। हाल ही में उन्हें अनदेखी के अंधेरे कोने से बाहर निकालकर पुन: सक्रिय किया गया है। भाजपा बेतरह कामना कर रही है कि अगले कुछ दिनों में इस पूरे केंद्र शासित प्रदेश में होने वाली प्रधानमंत्री मोदी की रैलियां माहौल बनाने में मददगार हों। सवाल यह है कि ऐसी नौबत बनी क्यों। क्या भाजपा ने जम्मू को कभी शिकायत न करने वाले परिजन की भांति हल्के में लिया, खासतौर पर जब जम्मू ने हमेशा उसे जितवाकर साथ निभाया? दोनों ही पक्षों को मालूम है कि यही बिंदु वैचारिक लड़ाई का मर्म है, आग की वह तपिश, जिसने दशकों से हिंदुत्व के हृदय को मथा है।

लौंग

आप मसूड़ों की सूजन का इलाज करने के लिए लौंग का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें एंटीसेप्टिक, सूजनरोधी, एंटीऑक्सिडेंट और एनाल्जेसिक के गुण पाए जाते हैं।

हल्दी और अमरुद के पत्ते

हल्दी में करक्यूमिन होता है जिसमें एंटीऑक्सिडेंट और सूजनरोधी गुण पाए जाते हैं। करक्यूमिन मसूड़ों की सूजन, प्लाक से होने वाली समस्याओं को भी कम करता है। इसके साथ ही यह संक्रमण को रोकने में भी मदद करता है। एक रिसर्च के अनुसार मुंह के लिए हल्दी का इस्तेमाल करने से मसूड़ों की सूजन और प्लाक की समस्या नियंत्रण में रहती है। इसके सूजनरोधी और एंटी-माइक्रोबियल गुण बहुत ज्यादा प्रभावी होते हैं। वहीं अमरुद के पत्ते दांतों के दर्द और मसूड़ों से जुडी समस्या के लिए बहुत प्रभावी है। इसके अलावा अमरुद के पत्तों में गुआजवरिन पाया जाता है जो एंटीप्लाक के रूप में कार्य करता है।

नींबू

नींबू में जीवाणुरोधी और सूजनरोधी गुण होते हैं जो गम रोग का इलाज करने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन सी होता है जो संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

पुदीना

इसके जीवाणुरोधी और एंटीसेप्टिक गुणों के कारण पुदीने का उपयोग मसूड़ों की सूजन के लिए उपयोग किया जाता है। यह सूजन और बैक्टीरिया को भी कम करता है जो सांस से आने वाली गंध का कारण बनते हैं। इसके अलावा, यह संक्रमण को रोकने में भी सहायक है। यह जलन और सूजन से भी जल्द राहत देता है।

रोज करें ब्रश

दिन में कम से कम दो बार ब्रश करें, रोज़ाना फ्लॉसिंग करें, रोज़ाना डेंटिस्ट से जांच करवाएं इससे मसूड़ों की समस्या से आप दूर रहेंगे। आपके डेंटिस्ट आपकी ज़रूरतों के हिसाब से और भी कई मौखिक स्वास्थ्य से सम्बंधित आदते बताएंगे। अच्छी मौखिक स्वच्छता के अलावा आप कुछ घरेलू उपायों का भी प्रयोग कर सकते है जिसके इस्तेमाल से आप मसूड़ों का इलाज और बचाव दोनों कर पाएंगे।

नमक

एक ग्लास गुनगुने पानी में एक या आधा चम्मच नमक मिलाएं। इस मिश्रण से अब कुल्ला करें। रोज़ाना सुबह और शाम एक एक बार इस मिश्रण से कुल्ला करें। इसकी मदद से आपके मसूड़ों की सूजन दूर होगी।

मसूड़ों को स्वस्थ्य रखने के लिए करें ये उपाय

मसूड़ों की बीमारी का एक बहुत ही सामान्य रूप है मसूड़ों की सूजन। यह मूलतः मसूड़ों का एक हल्का संक्रमण होता है। किसी को भी मसूड़ों के सूजन की समस्या हो सकती है लेकिन कई लोगों को इसका अनुभव नहीं हो पाता। इसके आम लक्षण जैसे जलन, लालिमा और मसूड़ों की सूजन आदि शामिल हैं। अन्य लक्षण जैसे सांस से गंध आना, दांत ढीले पड़ना, मसूड़ों में से खून निकलना खासकर तब जब ब्रशिंग या फ्लॉसिंग करते हैं आदि शामिल हैं। मसूड़ों की सूजन का सबसे आम कारण है खराब मौखिक स्वच्छता, दांतों में मैल जमना। प्लाक एक अदृश्य, चिपचिपा पदार्थ होता है जो बैक्टीरिया से बना होता है जो मसूड़ों के साथ-साथ दांतों में भी असहजता पैदा करता है। कुछ कारक मसूड़ों की सूजन के खतरे को और भी ज्यादा बढ़ा सकते हैं जैसे अत्यधिक धूम्रपान, तम्बाकू, बढ़ती उम्र, शुगर (मधुमेह), कुछ दवाएं, टूटे दांत, गर्भावस्था, आनुवंशिकी, शुष्क मुंह और खराब आहार आदि शामिल हैं।

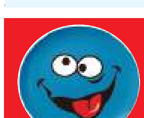

हंसना मना है

जेलर- सुना है की तुम शायर हो कुछ सुनाओ यार, कैदी- पेश करता हूं साहेब, गम ए उल्फत में जो जिन्दगी कटी हमारी, जिस दिन जमानत हुई जिन्दगी खतम तुम्हारी, जेलर- अरे बंसी वो डंडे में तेल लगा कर लाना ये अभी तक नहीं सुधरा है।

एक आदमी नदी में डूब रहा था। वो जोर जोर से चिल्लाया- गणेश जी बचाओ, गणेश जी बचाओ, गणेश जी आए ओर नदी किनारे नाचने लगे। आदमी-प्रभु आप नाच क्यों रहे हो? मुझे बचाओ, गणेश जी मुस्कुराते हुए बोले-तू भी तो मेरे विसर्जन में बहुत नाच रहा था!

नरेश-घर में शासन कैसे चलाएं' नामक पुस्तक से तुम्हें कुछ फायदा हुआ? महेन्द्र-कुछ नहीं। नरेश-'क्यों? महेन्द्र-'पत्नी ने मुझे वह पुस्तक पढ़ने को कभी दी ही नहीं।

'क्या हुआ मैडम, आपने ये स्वेटर आज तक पूरा नहीं किया? तुम तो एक स्वेटर 10 दिन में पूरा कर लेती थीं। 'बात ऐसी है कि मैं पांच-छः दिन आफिस नहीं जा सकी।

खरीदार-'भैंस की कीमत पांच हजार रुपये तो बहुत ज्यादा है। मालिक-'यह कैसे? खरीदार-'इसकी एक आंख जो नहीं है। मालिक-'आपको इससे दूध लेना है और कसीदाकारी करानी है।

कहानी | निंदा से सदैव बचना चाहिए

एक राजा ने प्रतिदिन 100 अंधे लोगों को खीर खिलायेगा। एक दिन दूध में सांप ने मुंह डाल दिया और जहरीली खीर को खाकर 100 के 100 अंधे व्यक्ति मर गए। राजा बहुत परेशान हुआ कि मुझे 100 आदमियों की हत्या का पाप लगेगा। राजा राज्य को छोड़कर जंगलों में भक्ति करने के लिए चल पड़ा, ताकि इस पाप की माफी मिल सके। रास्ते में एक गांव में चौपाल में बैठे लोगों से पूछा कि क्या इस गांव में कोई भक्ति भाव वाला परिवार है? ताकि उसके घर रात काटी जा सके। लोगों ने बताया कि दो बहन भाई रहते हैं जो खूब बंदगी करते हैं। राजा उनके घर रात ठहर गया। सुबह जब राजा उठा तो लड़की ध्यान पर बैठी हुई थी। उसके बाद नाश्ता तैयार करती थी। लेकिन उस दिन वह लड़की बहुत देर तक ध्यान पर बैठी रही। भाई ने कहा की बहन घर मुसाफिर आया हुआ है। इसने नाश्ता करके दूर जाना है। तुझे ध्यान से जल्दी उठना चाहिए था। तो लड़की बोली भैया ऊपर एक ऐसा मामला उलझा हुआ था। धर्मराज को किसी उलझन भरी स्थिति पर कोई फैसला लेना था और मैं वो फैसला सुनने के लिए रुक गयी थी, इस लिए देर तक बैठी रही ध्यान पर। लड़की ने बताया कि एक राजा अंधे व्यक्तियों को खीर खिलाया करता था। लेकिन सांप के दूध में विष डालने से 100 अंधे व्यक्ति मर गए। अब धर्मराज को समझ नहीं आ रही कि अंधे व्यक्तियों की मौत का पाप राजा को लगे, सांप को लगे या दूध नंगा छोड़ने वाले रसोईए को लगे। राजा ने लड़की से पूछा कि फिर क्या फैसला हुआ? लड़की ने बताया कि अभी तक कोई फैसला नहीं हो पाया था। तो राजा ने पूछा कि क्या मैं आपके घर एक रात के लिए और रुक सकता हूं? दोनों ने हां कर दी। लेकिन चौपाल में बैठे लोग यही चर्चा करते रहे कि कहीं जो कल व्यक्ति आया था वह भक्ति का नाटक तो नहीं कर रहा, उसकी नियत खोट हो। इसलिए वह जवान लड़की के घर पक्के तौर पर ही ठहरेगा। दिनभर चौपाल में राजा की निंदा होती रही। सुबह लड़की फिर ध्यान पर बैठी और रूटीन के अनुसार ध्यान से उठ गई। तो राजा ने पूछा- बेटी अंधे व्यक्तियों की हत्या का पाप किसको लगा? तो लड़की ने बताया- वह पाप तो हमारे गांव के चौपाल में बैठने वाले लोग बांट के ले गए। निंदक हमेशा दुसरों के पाप अपने सर पर ढोता रहता है। और दूसरों द्वारा किये गए उन पाप-कर्मों के फल को भी भोगता है। अतः हमें सदैव निंदा से बचना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
अप्रत्याशित लाभ होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

वृषभ
आमदनी बढ़ेगी। रुका धन मिलने से निवेश में वृद्धि होने के योग हैं। उदर संबंधी विकार हो सकते हैं। फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी।

कर्क
नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं। सरकारी, कानूनी विवाद सुलझेंगे। जोखिम, लोभ, लालच से बचें।

सिंह
धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। पहले किए गए कार्यों का लाभदायी फल आज मिल सकेगा। संतान के कामों से खुशी होगी।

कन्या
पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे। कर्मचारियों पर निगाह रखें।

तुला
राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे। काम में मन लगेगा। स्वयं का सोच अनुकूल रहेगा। रिश्तेदारों से संबंधों की मर्यादा बनाए रखें।

वृश्चिक
भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी। व्यापारिक निर्णय समय पर लेना होंगे।

धनु
पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी।

मकर
रोजगार के क्षेत्र में संभावनाएं बढ़ेंगी। स्थायी संपत्ति संबंधी खटपट हो सकती है। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा। पुराना रोग उभर सकता है।

कुम्भ
व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा। लगन, मेहनत का उचित फल मिल सकेगा। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। विवाद सुलझेंगे।

मीन
पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। अच्छी स्थितियां निर्मित होंगी।

बॉलीवुड | मन की बात

शाहरुख खान के संस्कार कमाल के हैं : चेतन भगत

भारत के सफल लेखकों में से एक चेतन ने एक कार्यक्रम में अपने करियर, किताबों और जिंदगी के बारे में बताते हुए कहा कि अपने सेशन के रैपिड फायर राउंड के दौरान मॉडरेटर राजदीप सरदेसाई उनका फेवरेट एक्टर कौन है। चेतन ने कहा कि शाहरुख खान से वे पर्सनली मिले हैं तो वह एक इंसान के रूप में शाहरुख खान बेहतरीन हैं। वो बोले कि मैं शाहरुख के घर गया हूं, मैंने उनके साथ कोई फिल्म नहीं की। लेकिन काम के सिलसिले में मैं उनसे मिलने गया है। मैं बहुत एक्टर्स संग काम कर चुका हूं कि लेकिन शाहरुख अकेले हैं जो मुझे सी ऑफ करने मेरी गाड़ी तक आए थे। उन्होंने आगे बताया कि मैं अपनी मां को उनकी एक फिल्म की शूटिंग पर लेकर गया था। उन्होंने देखा था कि मेरी मां बूढ़ी हैं। शॉट खत्म होने के बाद उन्होंने मेरी मां को खड़े देखा और किसी ने ये नहीं सोचा था पर वो हमारे पास आए और उन्होंने कुर्सी उठाकर मेरी मां को बैठने के लिए दी। तो शाहरुख खान ऐसे इंसान हैं। इसलिए मैं उनको ज्यादा पसंद करता हूं। इसके आगे चेतन भगन ने बताया कि उन्हें क्रिकेट, बॉलीवुड, पॉलिटिक्स में मेरे लिए पॉलिटिक्स बेस्ट है। मुझे वो देखना पसंद है। मैं बहुत स्पोर्ट्स नहीं देख सकता। आप 10 मिनट में किसी खिलाड़ी से प्रेरित हो सकते हो। ये जो फैनपंती करते रहते हो न ये बेवकूफी है। पॉलिटिक्स करना बहुत मुश्किल है। मुझे वो पसंद है। चुनाव के नतीजे और वर्ल्डकप में से मैं चुनाव के नतीजे देखूंगा। वो मुझे अच्छा लगता है। मुझे नहीं लगता कि मैं एक इंसान की कहानी पर लिख पाऊंगा। लेकिन मैं जरूर कुछ पॉलिटिक्स और समाज के बारे में लिखूंगा। इसके अलावा चेतन भगत ने सफलता को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि सफलता के लिए फ़ंस को उद्देश्य और अनुशासन की जिंदगी जीना बहुत जरूरी है। किताब लिखना मेरे लिए सबसे मुश्किल है। डिसिप्लिन बहुत जरूरी है। लगे रहो बस। और अनुशासन से सब करो।

सिटाडेल सीजन 2 के लिए प्रियंका चोपड़ा तैयार

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट्स की बैक-टू-बैक शूटिंग में व्यस्त हैं। उन्होंने हाल ही में कई हॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग पूरी की है और अब उन्होंने अपनी आगामी वेब सीरीज सिटाडेल सीजन 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। प्रियंका ने वेन्यू पर जाते समय इसकी पहली झलक सोशल मीडिया पर साझा की है, जिसपर अब प्रशंसक लगातार अपनी राय साझा कर रहे हैं। जिसमें वह मौके पर गाड़ी चलाती नजर आ रही हैं और उन्होंने लिखा, हैलो सिटाडेल एस 2।

अगस्त में प्रियंका चोपड़ा ने अपनी आंखों का रंग दिखाते हुए एक तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी और बताया था कि उनका यह नया लुक उनकी आगामी एक्शन-थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज सिटाडेल 2 के लिए है। प्रियंका का यह लुक उनके प्रशंसकों को बेहद पसंद भी आया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया स्टोरी पर सिटाडेल की शूटिंग से जुड़ी एक वीडियो क्लिप साझा की है, जिसपर अब प्रशंसकों की लगातार प्रतिक्रिया आ रही है। बता दें सिटाडेल सीरीज जोश एपेलबाम, ब्रायन ओह और डेविड वील द्वारा निर्मित एक एक्शन-थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर सीरीज है। शो का पहला सीजन 28 अप्रैल, 2023 को रिलीज हुआ था। इस सीजन में रिचर्ड मैडेन और प्रियंका चोपड़ा सिटाडेल एजेंट मेसन केन और नादिया सिंह की भूमिका में नजर आएंगे। प्रियंका के अलावा मुख्य कलाकारों में स्टेनली टुकी और लेस्ली मैनविल भी शामिल हैं। सीटाडेल 2 में इस बार मुख्य कलाकारों के अलावा कई नए चेहरे भी दिखाई देंगे, जिनमें मर्ले डैंड्रिज, राहुल कोहली, माइकल, मैट बेरी और गेब्रियल लियोन शामिल हैं। वहीं सिटाडेल की भारतीय सीरीज सिटाडेल- हनी बनी 7 नवंबर को शुरू होगी। इसके हिंदी रूपांतरण में वरुण धवन और सामंथा रूथ प्रभु मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस सीरीज ने हाल ही में अपना टीजर जारी किया है जिसमें दोनों कलाकार जबर्दस्त और दमदार एक्शन सीन में नजर आ रहे हैं।

महिलाओं की सुरक्षा जरूरी: अनन्या

अनन्या ने कहा एक कार्यक्रम में कि हर इंडस्ट्री में हेमा कमेटी जैसी समिति होना बहुत महत्वपूर्ण है। जहां महिलाएं एक साथ आती हैं और कुछ ऐसा शुरू करती हैं। मुझे लगता है कि ऐसा करने से निश्चित रूप से कुछ बदलाव हुआ है। जैसा कि आप जानते हैं और देख भी सकते हैं कि अब लोग कम से कम इस समस्या के बारे में बात तो कर रहे हैं। पर अभी भी बहुत लंबा रास्ता तय करना है। अभी भी बहुत बड़ी लड़ाइयां लड़नी हैं। अनन्या आगे कहती हैं कि कुछ प्रोडक्शन हाउस और फिल्म निर्माताओं ने सेट पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाएं हैं। उन्होंने अपनी नीतियों में बदलाव किया है। देखती हूं कि आज हमारे कॉन्टैक्ट लिस्ट में कुछ ऐसे हेल्पलाइन नंबर हैं, जो महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हैं। मुझे लगता है कि ये बहुत जरूरी भी है। यहां तक कि हमारी कॉल शीट में भी हेल्पलाइन नंबर हैं, जिस पर आप कभी भी कॉल कर सकते हैं। भले ही आप गुमनाम रूप से शिकायत करना चाहें, लेकिन मुझे नहीं लगता कि ये समस्या सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री में ही है। मुझे लगता है कि ये चीज हर जगह, हर फील्ड में है। इसलिए जरूरी है कि हम इस पर जल्द से जल्द काम करें। एक्ट्रेस ने कहा कि कम से कम किसी चीज के लिए तो खड़े हों। ये बहुत महत्वपूर्ण है। हर चीज के बारे में भले ही बात मत कीजिए। लेकिन अगर आपको लगता है कि इस पर बोलना जरूरी है, तो उस पर जरूर बात कीजिए। जैसे मेरे लिए महिलाओं की सुरक्षा बहुत जरूरी है। मैं हमेशा इसके बारे में बात करती हूं। इसके बारे में सिर्फ बोलना ही नहीं है, बल्कि हमें इस पर काम भी करना चाहिए। अनन्या के वर्कफ्रंट की बात करें, तो हाल ही में अमेजन प्राइम पर उनकी सीरीज कॉल मी बे रिलीज हुई है, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है।

> बोलीं- हर इंडस्ट्री में हेमा कमेटी जैसी समिति होना बहुत जरूरी

अजब-गजब | दुनिया की सबसे खौफनाक गुफा

जिसे देखकर ही निकल जाती है लोगों की चीख

दुनियाभर हजारों ऐसे गुफाएं हैं जिनके बारे में इंसान आज भी नहीं जान पाया। इनमें से कुछ गुफाएं तो इतनी खतरनाक और खौफनाक हैं कि इन्हें अगर कोई देख तो उसकी चीख निकल जाए। आज हम आपको एक ऐसी ही गुफा के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे दुनिया की सबसे खतरनाक गुफाओं में से एक है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं जॉर्जिया के अबखाजिया में स्थित एक गुफा के बारे में। इस गुफा को दुनिया की दूसरी सबसे गहरी गुफा माना जाता है। यह गुफा इतनी गहरी है कि ऊपर से देखने से ही लोगों की चीख निकल जाती है। दुनिया की दूसरी सबसे गहरी इस गुफा का नाम क्रुबेरा गुफा है। जिसकी गहराई 2197 मीटर यानि 7208 फीट है। ये गुफा जहां मौजूद है वह एक दुर्गम इलाका है। बावजूद इसके यहां हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक आते हैं। यहां केवल साल में चार महीने ही जाने लायक मौसम रहता है। बता दें कि क्रुबेरा गुफा की खोज साल 1960 में हुई थी। इस गुफा को वोरोन्या गुफा के नाम से भी जाना जाता है। वोरोन्या का मतलब होता है कौओं की गुफा। बताया जाता है कि इस गुफा को ये

नाम इसलिए दिया गया क्योंकि जब साल 1980 में पहली बार इस गुफा में प्रवेश किया गया तो वहां पर कौओं ने अपने घोंसले बना रखे थे। यहां हजारों की संख्या में कौआ रहा करते थे। वैसे तो इस गुफा के अंदर कई खोजी दल जा चुके थे, लेकिन साल 2012 में विभिन्न देशों के 59 खोजियों का एक दल जब इसमें उतरा, तो इसकी गहराई 2197 मीटर यानी 7208 फीट नापी गई। इस दल ने गुफा के अंदर कुल 27 दिन बिताए थे। हालांकि इस गुफा में जाने के लिए लोगों को आसानी से इजाजत नहीं मिलती। क्योंकि अबखाजिया ने साल 1999 में अपने आप को जॉर्जिया से अलग स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया था। लेकिन जॉर्जिया अभी भी इसे अपना हिस्सा मानता है। यही वजह है कि इस जगह पर दो देश अपना कब्जा बताते हैं जिसके चलते यहां आने वाले पर्यटकों को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इस देश में बच्चा पैदा करने पर सरकार देती है लाखों रुपए

दुनिया के अलग अलग देशों की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार उनकी समस्याएं भी अलग अलग होती हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए उनके तरीके और योजनाएं भी अलग-अलग होती हैं। जैसे किसी देश की जनसंख्या ज्यादा हो तो, जनसंख्या नियंत्रण के लिए वहां की सरकार या प्रशासन जागरूकता के लिए अलग अलग अभियान चलाती है। इसी तरह कुछ देश ऐसे भी हैं, जहां जनसंख्या कम है तो वहां इसे बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग पॉलिसीज लागू की गई हैं। ऐसा ही एक देश है, जहां संतान के जन्म के बाद सरकार माता-पिता को लाखों रुपए देती है। बेलारूस में बच्चों के जन्म के बाद सरकार द्वारा लोगों को एकमुश्त कुछ पैसे दिए जाते हैं। पैसे मिलने का ये सिलसिला 3 सालों तक चलता है। हाल ही में मुंबई के रहने वाले एक ट्रैवल ब्लॉगर मिथिलेश ने इसकी जानकारी दी है। दरअसल, खुद मिथलेश ने बेलारूस की एक लड़की से शादी की है और वे अब पिता बन गए हैं। मिथिलेश ने अपने यूट्यूब चैनल पर बताया है कि बच्चे के जन्म के बाद बेलारूस की सरकार की ओर से उन्हें 1 लाख 28 हज़ार रुपये दिए गए हैं। मिथलेश अपनी पत्नी के साथ बेलारूस में ही रहते हैं। ये रकम नए-नए माता-पिता को एकमुश्त सरकार की ओर से दिया जाता है। इतना ही नहीं अगले तीन साल तक सरकार माता पिता को हर महीने 18000 रुपए भी देगी। ये पैसे पैरेंट्स के अकाउंट में सीधा ट्रांसफर किए जाते हैं। बता दें कि मिथलेश की पत्नी लीजा ने 2 महीने पहले ही बच्चे को जन्म दिया था। बेलारूस सरकार की ओर से नए माता-पिता को ये राशि इसलिए दी जाती है, ताकि उन्हें बच्चे के पालन-पोषण अच्छी तरह से हो सके और माता-पिता को कोई दिक्कत न हो। बच्चे के जन्म पर वहां ज्यादा खर्च होता है, ऐसे में पहले ये रकम लाखों में होती है और फिर हर महीने दूध-डायपर और ऐसी बेसिक चीज़ों के लिए 18 हजार रुपए दिया जाता है। बता दें कि पहले वर्ष 2013 में फिनलैंड में भी लेस्टिजारवी नगरपालिका में बेबी बोनस शुरू किया गया था।

नये सीएम पर पोस्टर से गरमाई सियासत

भाजपा ने आतिशी को बताया केजरीवाल की कठपुतली

» पीएम मोदी ने एक बहुत ही घिनौना राजनीतिक षड्यंत्र रचा : सिसोदिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आतिशी मार्लेना सिंह को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री चुन लिया गया है। जिसके बाद आतिशी के मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद भाजपा और आम आदमी पार्टी एक दूसरे पर निशाना साध रही हैं। एक तरफ मनीष सिसोदिया और गोपाल राय ने भाजपा पर खूब निशाना साथा तो वहीं भाजपा ने पोस्टर जारी कर अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा। आतिशी के नाम का एलान होते ही भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने निशाना साधते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल एक कठपुतली/अस्थायी व्यक्ति को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं।

उन्हें अपनी पार्टी पर भरोसा नहीं है। इसलिए वह पार्टी में उनसे कमजोर किसी व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। आप में अंदरूनी सत्ता संघर्ष चल रहा है।

इस अंदरूनी सत्ता संघर्ष के कारण दिल्ली की जनता त्रस्त है। आगामी चुनाव में मुकाबला जनता बनाम आप होने जा रहा है। जबकि भाजपा दिल्ली की जनता का माध्यम बनेगी। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक बहुत ही घिनौना राजनीतिक षड्यंत्र रचकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आप के अन्य नेताओं के ऊपर झूठे आरोप लगाये हैं। जेल भेजा है। ईमानदारी पर सवाल उठाए हैं। सरकार तोड़ने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिलेरी के साथ मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और जनता की अदालत में जाने का ऐलान किया। चुनाव तक दिल्ली के मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी आज आतिशी को दी गई है।

सिसोदिया के दबाव में बनाया गया आतिशी को सीएम : सचदेवा

दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी को दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बनाए जाने की खबरों पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने मजबूरी में बनाया है क्योंकि वे चाह कर भी अपनी मन मर्जी का मुख्यमंत्री नहीं बनवा सकें।

मनीष सिसोदिया के कहने पर आतिशी को सारे विभाग दिए गए और मनीष सिसोदिया के दवाब में ही आतिशी को मुख्यमंत्री बनाया गया। मैं कह रहा हूं कि चेहरा बदल गया है लेकिन आम आदमी पार्टी का भ्रष्टाचारी चरित्र वही है।

स्वाति बीजेपी की भाषा बोल रहीं : दिलीप पांडेय

विधायक दल की बैठक मुख्यमंत्री के नाम का एलान होते ही आप की बागी सांसद स्वाति मालीवाल ने आतिशी पर निशाना साधा है। स्वाति ने कहा कि उनके परिवार ने आतंकवादी अफजल गुरु को फांसी से बचाने की लंबी लड़ाई लड़ी। इसका जवाब देते हुए आप के नेता दिलीप पांडेय ने कहा कि स्वाति भाजपा की तरफ से लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं। उनको इस्तीफा देकर भाजपा से राज्यसभा चले जाना चाहिए। इससे पहले स्वाति मालीवाल ने कहा कि दिल्ली के लिए आज बहुत दुखद दिन है। दिल्ली की मुख्यमंत्री एक ऐसी महिला को बनाया जा रहा है, जिनके परिवार ने आतंकवादी अफजल गुरु को फांसी से बचाने की लंबी लड़ाई लड़ी। आतिशी को डमी सीएम बताते हुए स्वाति ने कहा कि यह देश की सुरक्षा से जुड़ा मसला है। दिल्ली का अब ईश्वर ही बचाए। स्वाति मालीवाल के बयान पर आम आदमी पार्टी ने उन पर निशाना साधा। आप विधायक दिलीप पांडेय ने कहा कि अगर स्वाति मालीवाल को लिहाज है कि उनको राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे देना चाहिए। आप ने उनको टिकट देकर राज्यसभा में भेजा, लेकिन वह प्रतिक्रिया या बयान देने के लिए भाजपा से स्क्रिप्ट लेती हैं। यदि स्वाति मालीवाल को राज्यसभा में रहने का इतना ही शौक है तो स्वाति को इस्तीफा देकर भाजपा से राज्यसभा का टिकट ले लेना चाहिए। वहीं, विधायक मदन लाल ने कहा कि स्वाति भाजपा की भाषा बोल रही हैं। उनके पास जब 14 मंत्रालय थे उस समय किसी को भी कोई दिक्कत नहीं थी। मुख्यमंत्री ने उन पर विश्वास जताया और उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

पुलिस के लगातार एक्शन से अपराधियों में मचा हड़कंप

» दोस्तपुर में तमंचे के साथ धरा गया एक युवक

» अखंडनगर में एक को जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है, ऐसे में पुलिस के सामने बड़ी चुनौती होती है कानून व्यवस्था को लेकर, इस बार पुलिस पहले से ही चौकन्नी है और अपराधियों पर लगाम कस रही है। अपराधियों को ढूंढ-ढूंढ कर जेल की राह पकड़ाई जा रही है, जिससे किसी भी प्रकार के संभावित अप्रिय घटना को रोका जा सके। दोस्तपुर पुलिस ने आज चेकिंग के दौरान नीरज नाम के व्यक्ति को तमंचे के साथ धर-दबोचा, थाना प्रभारी पंडित त्रिपाठी ने बताया कि उसे गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने कहा कि अपराधी कैसे भी प्रयास कर ले कत्तई बक्शे नहीं जायेंगे।

वहीं अखंडनगर में 3 पेटी देशी शराब, पीतल की थाली एवं लोटा के साथ इन्दल नाम के अपराधी को थानाप्रभारी श्यामसुंदर की टीम ने गिरफ्तार किया है। बताते चलें एसपी सोमेन बर्मा के निर्देशन में सीओ विनय भी लगातार पैदल गश्त और व्यापारियों के साथ बैठक कर आम जनता को सुरक्षा का भरोसा दे रहे हैं।

'केजरीवाल का जनहित से कोई लेना-देना नहीं'

» मायावती बोलीं- सीएम बदलना एक राजनीतिक पैंतरेबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने को राजनीतिक पैंतरेबाजी करार दिया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का यह फैसला जनहित और जनकल्याण से दूर एक चुनावी चाल है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के इतने लंबे समय तक जेल में रहने के कारण दिल्ली की जनता ने जो अनगिनत असुविधाएं व समस्याएं झेलीं हैं उसका हिसाब कौन देगा।

उन्होंने कहा कि सत्ता व विपक्ष के बीच राजनीतिक लड़ाई शत्रुता के स्तर तक कटु न हो तो बेहतर है जिससे कि देश व जनहित प्रभावित न हो। बसपा की यूपी सरकार को भी ऐसे दिन देखने पड़े थे जब केंद्र की कांग्रेसी सरकार ने जेवर एयरपोर्ट व गंगा एक्सप्रेस -वे पर भी रोड़े अटकाए और जनहित व विकास को बाधित किया था।

केजरीवाल को कोई फायदा नहीं होगा : संजय झा

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बहुमत है। वह जिनको चाहे मुख्यमंत्री बना सकती है। लेकिन मेरे हिसाब से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को तो पहले ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए था। जब उनपर नई शराब नीति में घोटाले आरोप लगा था और पुलिस ने कई बार समन भी जारी किया था। इसके वावजूद उन्होंने इस्तीफा देना मुनासिब नहीं समझा था। अब दिल्ली में वही राम और भरत जैसी कहानी होगी। जो वह कह रहे सत्ता उसी हिसाब से चलेगी। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा अरविंद केजरीवाल को फायदा होने के सवाल पर संजय झा ने कहा कि उन्हें नहीं लगता है। दिल्ली में ऐस कोई परिस्थिति बनेगी। उन्होंने कहा कि अभी तो अदालत से जमानत मिली है। इस मामले में फैसला आना अभी बांकी है। वह कोर्ट ने कई शर्तो के आधार पर उन्हें जमानत दी है।

भारत एकबार फिर एशियाई हॉकी चैंपियन

» पांचवीं बार जीती ट्रॉफी फाइनल में चीन को हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 का खिताब जीत लिया है। पहले तीन क्वार्टर गोल रहित रहने के बाद आखिरकार टीम इंडिया ने चौथे और आखिरी क्वार्टर में शानदार गोल करके 1-0 की बढ़त बनाई, जो अंत तक कायम रही। मैच का एकमात्र गोल भारत के जुगराज ने किया। यह इतिहास में कुल पांचवीं बार है जब भारत ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती है।

मैच की शुरुआत में चीन ने आक्रामक रवैया अपनाते हुए भारतीय डिफेंस को बैकफुट पर ला दिया था।

पहले ही क्वार्टर में भारत को 2 पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन दोनों बार चीनी गोलची ने अपने गोल पोस्ट को सुरक्षित रखा। दूसरे और तीसरे क्वार्टर में भी दोनों टीमों ने गोल दागने का भरपूर प्रयास किया। मगर मैच का एकमात्र गोल 51वें मिनट में आया, जहां भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने जुगराज को पास किया और उन्होंने गेंद को गोल पोस्ट में धकेल कर शानदार गोल किया। इस जीत के साथ भारत ने गोल्ड, चीन ने सिल्वर मेडल जीत लिया है, वहीं पाकिस्तान ने तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में दक्षिण कोरिया को 5-2 से हराया था। अंतिम क्षणों में चीन के खिलाड़ियों ने काफी देर तक गेंद की पोजेशन अपने पास रखी, लेकिन भारत का डिफेंस भी शानदार रहा। इससे पहले टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज के दौरान भी भारत और चीन आमने-सामने आए थे, जहां टीम इंडिया ने 3-0 से आसान जीत दर्ज की थी।

पहला खिताब भारत ने ही जीता था

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 2011 में हुई थी, जहां फाइनल में भारत ने पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से पाकिस्तान को हराकर खिताब जीता था, उसके बाद भारत ने 2016 में एक बार फिर पाकिस्तान को 3-2 से रौंद कर चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का तमगा हासिल किया। भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। वहीं 2023 में हुई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत ने मलेशिया को 4-3 से हराकर कुल चौथी बार यह ट्रॉफी जीती थी।

नेताओं की हिंसक भाषा भविष्य के लिए घातक : खरगे

नेता प्रतिपक्ष पर की गई टिप्पणी से भड़की कांग्रेस

कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम से कार्रवाई की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा नेताओं द्वारा नेता प्रतिपक्ष पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने भाजपा को आड़े हाथों लिया है। कई राज्यों में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ धरना प्रदर्शन करते हुए एफआईआर भी करवाई है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम को पत्र लिखकर इन नेताओं पर कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं कांग्रेस नमा अजय माकन ने कहा कि राहुल एससी, एसटी, ओबीसी, आदिवासी व अल्पसंख्यक की बात करते हैं जो भाजपा को पसंद नही है इसलिए वे धमकी दे रहे है, पर पार्टी डरने या झुकने वाली नही है।

उधर खरगे ने पत्र में लिखा कि मुझे दु:ख के साथ कहना पड़ता है कि भारतीय जनता पार्टी और आपके सहयोगी दलों के नेताओं ने जिस हिंसक भाषा का प्रयोग किया है, वह भविष्य के लिए घातक है। उन्होंने लिखा कि मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अनुशासन और मर्यादा के जरिए ऐसे नेताओं पर लगाम लगाएं। ऐसे बयानों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भारत की राजनीति का पतन होने से रोका जा सके। मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उन्होंने लिखा कि आप अवगत होंगे कि लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक, हिंसक और अशिष्ट बयानों का सिलसिला चल रहा है। खरगे ने आगे लिखा कि केंद्र सरकार में रेल राज्य मंत्री, भाजपा शासित यूपी के मंत्री, लोक सभा में प्रतिपक्ष के नेता को नंबर एक आतंकवादी कह रहे हैं। महाराष्ट्र में आपकी सरकार में सहयोगी दल का एक विधायक, नेता प्रतिपक्ष की जुबान काट कर लाने वाले को 11 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा कर रहे हैं।

सत्ताधारी दल का व्यवहार अशिष्टतम

सत्ताधारी दल का यह राजनीतिक व्यवहार लोकतांत्रिक इतिहास का अशिष्टतम उदाहरण है। मैं आपसे अनुरोध और अपेक्षा करता हूँ कि आप कृपया अपने नेताओं पर अनुशासन और मर्यादा का अंकुश लगायें। उचित आचरण का निर्देश दें। ऐसे बयानों के लिए कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भारतीय राजनीति को पतनशील बनने से रोका जा सके। कोई अनहोनी न हो। मैं भरोसा करता हूं कि आप इन नेताओं को हिंसक बयानों को तत्काल रोकने के बारे में अपेक्षित कार्यवाही करेंगे।

भारतीय संस्कृति को धूमिल कर रहे बयान

कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि भारतीय संस्कृति अहिंसा, सद्भाव और प्रेम के लिए विश्व भर में जानी जाती है। इन बिंदुओं को हमारे नायकों ने राजनीति में मानक के रूप में स्थापित किया। गांधीजी ने अंग्रेजी राज में ही इन मानकों को राजनीति का अहम हिस्सा बना दिया था। आजादी के बाद संसदीय परिधि में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सम्मानजनक अहसमतियों का एक लंबा इतिहास रहा है। इसने भारतीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा को बढ़ाने का काम किया।

मप्र समेत कई राज्यों में कांग्रेस ने किया थाने का घेराव

मप्र के अनूपपुर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अभद्र टिप्पणी किए जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव करते हुए ज्ञापन सौंपते हुए ऐसा करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग की। ज्ञापन में उल्लेखित करते हुए पूर्व विधायक सुनील सर्राफ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू एवं उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रघुराज सिंह द्वारा अभद्र टिप्पणी किए जाने के विरुद्ध मंगलवार को अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग को लेकर पूर्व विधायक सुनील सराफ के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा थाना पहुंचकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई।

भाजपा सांसद का बयान बेहद निंदनीय, माफी मांगे : पायलट

कांग्रेस के स्टार प्रचारक सचिन पायलट दौसा के भांडारेज में किसान सम्मेलन और स्वर्गीय मिट्ठू राम सैनी मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में शिरकत की। जहां सचिन पायलट का कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। सचिन पायलट ने मीडिया से रूबरू होते कहा कि मैं मानता हूं सरकार पूरी तरह से फेल है, प्रदेश का लॉ एंड ऑर्डर पूरी तरह चरमरा चुका है। उन्होंने कहा भाजपा नेताओं व सांसदो द्वारा नेता प्रतिपक्ष पर की गई टिप्पणी निंदनीय है। बीजेपी को माफी मांगनी चाहिए। भजनलाल सरकार पर हमला बोलते हुए सचिन पायलट ने कहा कि संगठन कुछ बोलता है और सरकार कुछ बोलती है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में जो कांग्रेस पार्टी का परफॉर्मेंस रहा, उसको देखकर भाजपा हताशा है। जिस प्रकार सरकार को काम करना चाहिए, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास होना चाहिए। बीजेपी को बिजली-पानी पर ध्यान देना चाहिए।

हफ्तेभर में सरकारी मकान खाली कर देंगे केजरीवाल : संजय सिंह

» आप ने जताई सुरक्षा को लेकर चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इस्तीफा देने के बाद अब दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल सरकारी मकान खाली करेंगे और सरकारी सुविधाएं छोड़ेंगे। आप सांसद संजय सिंह ने ये जानकारी दी है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि केजरीवाल एक हफ्ते में घर खाली करेंगे। कई बार हमलों का सामना करने के बावजूद सरकारी सुरक्षा को भी छोड़ेंगे। संजय सिंह ने कहा, अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद से दिल्ली की जनता बेहद दुखी और परेशान है।

अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद भी जनता की अदालत में अग्नि परीक्षा देने के लिए सीएम पद से इस्तीफा दिया है और अब जनता उनकी ईमानदारी पर मुहर लगाएगी और फिर से उन्हें मुख्यमंत्री बनाएगी। संजय सिंह ने बताया कि कल अपना इस्तीफा देने के बाद, केजरीवाल ने कहा कि वह सुरक्षा सहित एक मुख्यमंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं छोड़ देंगे और लोगों के बीच एक आम आदमी की तरह रहेंगे। हमने उन्हें यह कहते हुए मनाने की कोशिश की कि कि उनकी सुरक्षा खतरे में है। उनपर हमले भी हुए। लेकिन उन्होंने कहा कि मेरी रक्षा ईश्वर करेंगे। मैं छह महीने जेल में खूंखार अपराधियों के बीच रहा। तब भगवान ने मुझे बचाया था, अब भी भगवान मुझे बचाएंगे।

दिल्ली में बिल्डिंग का हिस्सा ढहा, 12 लोगों को सुरक्षित निकाला गया, बचाव कार्य जारी

» मनोनीत मुख्यमंत्री आतिशी ने मदद के दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के करोल बाग इलाके के बापा नगर इलाके में दो मंजिला मकान गिरने से मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है।

एक अधिकारी ने बताया कि कम से कम 12 लोगों को बचा लिया गया है। बचाव अभियान अभी भी जारी है। घटना में अभी तक किसी की मौत की खबर नहीं है। करोल बाग में मकान ढहने की घटना दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में बारिश से संबंधित घटनाओं की सूची में नवीनतम थी। दिल्ली की मनोनीत सीएम आतिशी ने डीएम को वहां रहने वाले लोगों और पीड़ितों को हरसंभव सहायता मुहैया कराने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने घटना की जांच के भी आदेश दिये हैं।

यूपी में बारिश का कहर जारी, कई की मौत

» कई जिले बाढ़ की चपेट में, जनजीवन अस्त-व्यस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में बारिश का कहर जारी है। कई जिलों से लोगों को मरने की खबरें आ रही है। वहीं बाढ़ की वजह से कई जिलों में जीवन अस्तव्यस्त हो गया। लोगों को अपना घरबार छोड़ कर सड़कों व ऊंचाई वाले स्थानों पर शरण लेना पड़ रहा है। पिछले 24 घंटों में राज्य में 4.1 मिमी बारिश हुई। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान बारिश से जुड़ी घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गयी और राज्य के 24 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी कछला ब्रिज (बदायूं), गाजीपुर, बलिया व फतेहगढ़ में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है जबकि घाघरा नदी का जलस्तर एल्गिन ब्रिज (बाराबंकी), (तुर्तीपार), बलिया और अयोध्या में खतरे के निशान को पार कर गया है। पिछले 24 घंटों में राज्य में 4.1 मिमी बारिश हुई। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 24 जिलों में बाढ़ की स्थिति है। इन जिलों में लखीमपुर खीरी, गोंडा, सीतापुर, फरुखाबाद, बहराइच, बाराबंकी, बदायूं, बलिया, आजमगढ़, गोरखपुर, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज और गौतमबुद्ध नगर शामिल हैं।

यूपी की कानून-व्यवस्था की फिर खुली पोल

» महोबा में भाजपा नेता की हत्या से कोहराम, विपक्ष ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महोबा। महोबा के चरखारी-महोबा मार्ग पर सूपा मोड़ के पास कुछ बदमाशों ने बाइक सवार भाजयुमो नगर अध्यक्ष पर हमला कर लूटपाट की। घायल की इलाज के दौरान जिला अस्पताल में मौत हो गई। इस घटना के बाद विपक्ष ने भाजपा की योगी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस, सपा समेत कई दलों ने कहा है कि जब बीजेपी के नेता ही प्रदेश में सुरक्षित नहीं तो आम आदमी क्या सुरक्षित होगा।

सचिन पाठक। (फाइल फोटो)

दरअसल, कस्बा चरखारी के मोहल्ला घुसयाना निवासी सचिन पाठक (26) भाजपा युवा मोर्चा में नगर अध्यक्ष व व्यापार मंडल में युवा महामंत्री थे। सोमवार को वह अपने दोस्त मोहित के साथ जनपद झांसी के मऊरानीपुर में चल रहा जलविहार मेला देखने गए थे। वापस लौटने पर वह साथी मोहित को महोबा में छोड़ा। रात करीब 11 बजे वह चरखारी लौट रहे थे। तभी घटना हो गई। यूपी 112 पुलिस को किसी से सूचना मिली कि एक युवक सूपा-चरखारी मोड़ के पास सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा है। सूचना पर पहुंचे पीआरवी कर्मी उसे जिला अस्पताल लाए। जहां इलाज दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों को इसकी सूचना दी गई।

भाई का आरोप लूटपाट भी गई

मृतक के भाई अनूप पाठक ने आरोप लगाया कि जिस हालत में सचिन मिला, उससे लूटपाट के बाद हत्या किया जाना स्पष्ट हो रहा है। चार अंगुलियों से सोने की अंगूठी, चेन, 11 हजार रुपये व दो मोबाइल भी गायब हैं। सिर पर गहरे घाव और अंगुलियों से अंगूठी निकालने पर खरोंच के निशान हैं। सूचना मिलते ही प्रभारी मंत्री राकेश कुमार राठौर, सदर विधायक राकेश गोस्वामी, चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत, डीएम मृदुल चौधरी, एसपी पलाश बंसल और अपर एसपी वंदना सिंह पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे और घटना की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। नगर अध्यक्ष की हत्या व लूटपाट की खबर सुनकर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की पोस्टमार्टम हाउस में भीड़ जुटी रही। अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह का कहना है कि पीआरवी को दुर्घटना की सूचना मिली थी। घायल को अस्पताल लाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

घटना के बाद बंद रहा बाजार, व्यापारियों में आक्रोश

महोबा के कस्बा चरखारी में एक सप्ताह के अंदर दो व्यापारियों की हत्या से व्यापारियों में आक्रोश है। भाजपा के नगर अध्यक्ष और व्यापारी सचिन पाठक की लूटपाट के बाद हत्या की घटना के विरोध में मंगलवार को पूरा बाजार बंद रहा। व्यापारियों ने प्रतिष्ठान बंद रख 48 घंटे के अंदर खुलासे की मांग की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।